रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 280] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 1, 2004/अग्रहायण 10, 1926

No. 280] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 1, 2004/AGRAHAYANA 10, 1926

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 2004

सं. 28/2004—2009

फा. सं. 01/94/180/सार्व.सूचना/एएम 05/पी सी-4.—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैराग्राफ 2.4 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयेग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्द्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड 1) में निम्नलिखित शुद्धियां करते हैं :

1. पैराग्राफ 4.77.3 के तीसरे उप पैराग्राफ के पहले वाक्य को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है :—

"निर्यातक को निर्यात की तारीख से 180 दिनों के भीतर स्वर्ण ऋण लौटाने और स्वर्ण का मूल्य निर्धारित करने का विकल्प होगा।"

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

के. टी. चाको, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 1st December, 2004

No. 28/2004—2009

F. No. 01/94/180/Public Notice/AM 05/PC-IV.—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following corrections in Handbook of Procedures (Vol. I).

1. The first sentence of the third sub-paragraph of Paragraph 4.77.3 stands amended as follows :

"The exporter shall have the flexibility to fix the price and repay the Gold Loan within 180 days from the date of export."

This issues in public interest.

K. T. CHACKO, Director General of Foreign Trade

3562 GI/2004

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.